भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 797
दिनांक 24 जुलाई, 2025

आईओ, बीपीसीएल और एचपीसीएल द्वारा सबसे लंबी पाइपलाइनों का निर्माण

†797. श्री दिलेश्वर कामैतः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), जो भारत की सबसे बड़ी रिफाइनरियां हैं, ने संयुक्त रूप से गुजरात के कांडला से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर तक 2800 किलोमीटर लंबी विश्व की सबसे लंबी पाइपलाइन का निर्माण किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त पाइपलाइन के निर्माण पर कुल कितना व्यय हुआ है;

(ग) क्या उक्त पाइपलाइन पूरी तरह से चालू हो गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इसके कब तक पूरी तरह से चालू होने की संभावना है; और

(ङ) उक्त पाइपलाइन से नेटवर्क ईंधन की परिवहन लागत में कितनी कमी आएगी और इस प्रकार आम जनता पर ईंधन लागत के बोझ में कितनी कमी होगी?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ) कांडला गोरखपुर एलपीजी पाइपलाइन (केजीपीएल) परियोजना आईएचबी लिमिटेड जो इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का एक संयुक्त उद्यम(जेवी) है,द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। यह परियोजना प्रगति पर है और अब तक वास्तविक प्रगति 91% और वित्तीय प्रगति 75% है। केजीपीएल परियोजना में 2805 किलोमीटर लंबी एलपीजी पाइपलाइन शामिल है जिसकी कुल लागत 10,088 करोड़ रु है। केजीपीएल के निर्माण पर अब तक कुल 7513.13 करोड़ रु खर्च हुए हैं। पीएनजीआरबी द्वारा उक्त पाईपलाईन को 31 दिसम्बर,2025 तक पूरा करना प्राधिकृत किया गया है। इस पाइपलाइन के कमीशन होने से एचएसडी खपत में अनुमानतः 59,000 किलोलीटर प्रतिवर्ष की कमी के साथ-साथ थोक टैंक ट्रकों के परिचालन में अनुमानतः 185 मिलियन किलोमीटर की कमी आएगी ।

*****